



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नवीन जागरूक	२०-१२-२२	५	१-६

छत के साथ-साथ ड्राइंग रूम में भी लगा सकते हैं फूल-सज्जियाँ

वर्टिकल गार्डनिंग : एचएयू में आयोजित दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव का हुआ शुभारंभ

जगत् यां विद्युत् विद्युत् रसी
यति या के बाहर निर्मल तीव्र री
विद्युत् में ही ज जगत् है। तब या
ही ज यात्रा है। यात्रा के बह
विद्युत् यात्रा की बदल ज जगत् है। यहाँ जन् विद्युत् विद्युत्
के विद्युत् विद्युत् ही जिया विद्युत्
के विद्युत् विद्युत् जा जगत् है।
समर्पण के बाहर यो यात्रा ज यात्रा ज यात्रा है।
विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्
के विद्युत् विद्युत् विद्युत् विद्युत्

इस दृष्टि से माली को अवधिकारी के तरह बताया जाएगा। इसके अलावा उनके नाम का अवधिकारी के तरह बताया जाएगा। ऐसी बातें अपनी जीवन के दृष्टिकोण से अवधिकारी के तरह बताया जाएगा।

जानी वे बातें जिनका
विवरण में दालद ने जानी चाही अपनाया है। जो वे बातें
हैं जिन्हें वह कहा है कि उनका
दृष्टिकोण वास्तविकता की



Constitutional law is now taught with a new emphasis on the social context of law.



[View details](#) [Buy now](#)



कृष्णने अपनी पत्नी को बदला दिया था। उसकी वजह से वह अपनी जीवन की शुरूआत करने की इच्छा नहीं रखता।



कृति का एक दूसरा गीत लिखने के लिए उन्होंने अपनी राजनीति का विचार किया।

प्रसादर तो मैं हीकही किरण
की धूती की प्रसन्निया
लोकना दिल्ली तो कलीनी
वराणिश्वामी के प्रसादर तो
लोकना दुर्गा तो ५ तज तो समरुद्ध
नारी का तुमा उत्तम के लिए
प्रसादर तो बड़-बड़ा दिल्ली तो
हो १३ तज तो १५ मैं हीकही
किरण की धूती की प्रसन्निया
लोकना दिल्ली तो १६

लोगों का गुणावर्त यह नहीं
कह का अपना बहुत बड़ा है।
जब उनके दिल भूल जाते हैं तो
उनका जीवन जो सिर्फ एक वास्तव
प्रेमी नहीं हो जाता। तभी
उनके दिल में आपकी विश्वास नहीं
मरती और उनकी दृष्टि आपकी ओर
हो जाती। उनका दिल में आपकी
विश्वासिता का ही उत्तम

अम नाम द्वय ते दिया,
दीर्घकाल से भी बिरुद्ध अपनी
ने चला, आजी ने जोड़ी, जैसे उ
नी काली भी बाली तो एक सम
वाला होना। यहाँ नी की कृषि के
बाहर विकास नहीं था। इस
में नी तो उत्तरायणी, नी
नी, नी, नी, नी यहाँ बहुत
माली थीं। उत्तरायणी य
हाँ ने विकास के द्वारा कहा
कि यहाँ यहाँ जैसा कि उत्तरायण
विकास ही है। इस विकास का
प्रथम विकास नाम विकास
है। उत्तरायणी ने अपनी
दूसरी विकास का विकास
कहा, तीसरी विकास का विकास
कहा, चौथी विकास का विकास



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूत उजाता	२०.१२.२२	५	३-६

'सुगंध व सुंदरता ही नहीं, पर्यावरण संतुलन के लिए भी जरूरी हैं फूल'

एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' का रामारंभ



एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी के दैरान निरीक्षण करते कुलपति प्रो. वीआर कांबोज व अन्य अधिकारी। संचाल



एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी के दैरान सूखे पुष्प व सजावटी पौधों को देखती छात्राएं। संचाल

माई सिटी व्हारो

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. वीआर कांबोज ने कहा कि फूल प्रकृति के सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। ये न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं, बल्कि पर्यावरण को संतुलित रखने में भी महाव्यक हैं। अब फूलों की खेती रोजगार का भी प्रमुख साधन है।

सोमवार को विश्वविद्यालय के एग्रो ट्रिजम सेटर में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अधिकारी कुलपति कांबोज ने कहा कि फूलों के साथ से नई कुर्ज व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है। आगे वाले समय में खेती लायक जमीन कम हो रही है। इस समस्या में



एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी के दैरान मेहंदी प्रतियोगिता में हिस्सा लेती छात्राएं। संचाल

निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की नई तकनीकें ईजाद की हैं। शहरी खेती भी ऐसा ही एक नया विचार है। यह के बाहर, छत पर या कमरे के अंदर भी गार्डन बनाए जा सकते हैं। हाइड्रोपोनिक सिस्टम व

एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के क्लिवन गार्डनिंग कर सकते हैं। कमरे के अंदर भी एलईडी लाइट से सजिलायों ऊँचाई जा सकती हैं।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि पुष्प उत्सव में सैकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शामा बढ़ा रही हैं। आम लोगों के लिए सुबह ९ बजे से साथ साझे पांच बजे तक एग्री ट्रिजम सेटर को खोल जाएगा। २१ दिसंबर से फूलों की विक्री की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन एग्री ट्रिजम सेटर, बनस्पति उद्यान, एचएयू सामाजिक कल्याण सेवायटी और भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर डॉ. संदीप आर्या, डॉ. अर्विंद मलिक, डॉ. सुधाष प्रभेत सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं शहरवासी भौजूद रहे।

ड्राइंग रूम को और सुंदर बना देगा बर्ड ऑफ पैराडाइज व टिटिंग ऑफ फ्लावर

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एचएयू के दो दिवसीय पुष्प उत्सव में हिमालयी छेत्र में पाई जाने वाली फूलों की प्रजातियों को भी प्रदर्शित किया गया है। इसमें बर्ड ऑफ पैराडाइज है, जिसे ड्राइंगरूम में एचएयू के एग्रो ट्रिजम सेटर में आयोजित किया गया है। इसके सेटर में मौजूद हैं ७० अलावा टिटिंग ऑफ प्रजातियों के फूल

में पानी का रंग बदलने पर फूलों का रंग भी बदल जाता है। घर की सुंदरता बढ़ाने के लिए फूल लगाने के शौकीन हैं तो एचएयू के एग्रो ट्रिजम सेटर में आप के लिए बहुत सारे विकल्प हैं।

यहां ७० प्रजातियों के फूल लगाए गए हैं। यहां सभी फूलों की खासीत्वत के साथ-साथ उनकी बुवाई की विविधता, समय आदि को जानकारी भी मिलती है। इस सेटर के इचार्ज डॉ. अर्विंद मलिक बताते हैं कि हिमार जी जलवाया के लिए एन्टीटियोलिस, जरबो, टियबोज,



एचएयू में पुष्प उत्सव में प्रदर्शित हिमालयी छेत्र के विशेष फूल। संचाल

लिलियम आदि प्रजातियों बेहतर हैं। बैठक यहां सर्वियों का समय छोटा होता है। जबकि फूलों की कई प्रजातियों ३० डिग्री से अधिक तापमान सहन नहीं कर पाती। दो दिवसीय पुष्प उत्सव में यहां पाई जाने वाली प्रजातियों के अलावा खासीतर पर हेलीकोनिया व एथेरियम को भी रखा गया है। ये प्रजातियों हिमालयी छेत्रों में खास

तौर पर पाई जाती हैं। क्योंकि इने २५ डिग्री से कम तापमान की ज़रूरत होती है। ऐसे ही बर्ड ऑफ पैराडाइज भी हैं, जिसे ड्राइंगरूम में सजाया जाता है। इसके अलावा टिटिंग ऑफ फ्लावर को भी ड्राइंग रूम में सजाया जाता है, जिसके बर्तन में पानी का रंग बदलने पर फूलों का रंग भी बदल जाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृतजाला	20-12-22	1	1-7

प्रदर्शनी

जमीन और समय की कमी का यिकल्प खोज रहे एचएयू के वैज्ञानिक, विदेश में अभी एयरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के ऊर्जा जा रही सब्जियां

बिना मिट्टी एलईडी लाइट्स युक्त हाइड्रोपोनिक सिस्टम से किचन में ही उगेंगी सब्जियां



उदयभान श्रिपाठी

हिसार। महानगरी में रहने वाले लोग अब अपने दृष्टिगत लाभ या किचन में भी बढ़ती आवश्यकी व कम होती जमीन आने वाले बवत के लिए बड़ा संकट है। जमीन की कमी के चलते सब्जियों की खेती भी मुश्किल है। यजमानी में हाइड्रोपोनिक सिस्टम पर काम कर भी बहुत कम जाह में। ऐसा सभवत ही सकेगा नए हाइड्रोपोनिक सिस्टम विद् एलईडी लाइट्स के जरिये।

यह स्टैंड पर बना एलईडी लाइट्स युक्त सिस्टम है, जिसमें पौधे को बिना मिट्टी के पानी के जरिये जलसीधी पोषक तत्व दिए जाएं। यह एयरोपोनिक सिस्टम से भी एडजांस थर्जन है। अभी विदेश में एयरोपोनिक सिस्टम

जरिये छोटे-छोटे बत्तों में ही पोषक तत्वों से युक्त कले ब्लैट्स सब्जियों की खेती की जा रही है। डाले जाते हैं। इसमें डाले गए बीज बढ़ती आवश्यकी व कम होती जमीन यानी व पोषक तत्व प्राप्त कर हवा में ही अंकूरित होते हैं। अब कृषि विशेषज्ञ इससे भी एक कदम आगे की खेती भी मुश्किल है। यजमानी में हाइड्रोपोनिक सिस्टम पर काम कर स्टैंप की गई सब्जियों से ही काम रहे हैं।

एचएयू के एग्रो टर्सिन सेंटर हैंवार्ज स्वास्थ्य के लिए ताजी हीरी पतेदार सब्जियों को जलसीधी मान जाता है। डॉ. अर्विंद मलिक जलाते हैं कि सब्जियों को जलसीधी मान जाता है। एचएयू में इन दोनों विधियों पर काम चल रहा है। इसमें से एयरोपोनिक सिस्टम के जरिये टमाटर, धनिया समेत कई हीरी पतेदार सब्जियों उगाई भी जा चुकी हैं। जबकि हाइड्रोपोनिक सिस्टम को अभी ट्रायल में रखा गया है।

पौधे खुद की जलसार के अनुसार लेंगे पानी

डॉ. अर्विंद मलिक जलाते हैं कि हाइड्रोपोनिक सिस्टम में पौधों को विद्युत के लिए सूर्य की रोशनी की जगह एलईडी लाइट की रोशनी मिलती। यह सिस्टम इतना एडजांस है कि इसमें पौधों को बार-बार पानी भी नहीं देना होगा, जलकि पौधे सूखे अपनी जलसार के अनुसार पानी में उपलब्ध पानी व पोषक तत्व प्राप्त कर सकेंगे।

जिस स्टैंड पर यह सिस्टम विकसित है उसे किसी मेज वा दीवार के सहारे खड़ा किया जा सकेगा। सिस्टम बिजली व पानी की सप्लाई लाइन से कनेक्ट होगा। इस प्रकार उगाई गई सब्जियों के रोग या व्याद में भी कहीं अतर नहीं आएगा।



स्टैंड पर हाइड्रोपोनिक विधि से उगाई गई सब्जियां। तस्वीर:



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाप्ति पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
यैनकु माइग्ड	२०.१२.२२	२	१-५

एचएयू में फ्लावर शो... • 100 से ज्यादा किस्म के फूलों की बिखरी महक, 15 किस्म के औषधीय पौधे भी प्रदर्शनी में लगाए लोगों को भा रहे नार्थ ईस्ट से साउथ तक के 5 दुर्लभ वैरायटी के फूल, रूम में हेल्दी दोस्त बन सकता है फरकेरिया का पौधा

सिटी रिपोर्टर • हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सम्मार से दो दिनों बाहरी खेती एवं पौधे उत्सव 2022' शुरू हुआ। इस आर इकाय के लोगों को नई ईस्ट से सेंटर साउथ के 5 दुर्लभ वैरायटी के फूल भा रहे हैं। जिनके पाले नीदरलैंड में बल्ब (ऐसी गांठ जिसमें पौधा अंकुरित होता है) तेज़ी से लोहे के लैनिं बेटर गैरिम होने के लिए उनके पौधे को ध्वनि ताप्त्य जाता है। तेज़ी अंकुरित, प्रानवृत्तिय, जैविक, कारबेनन व लिंगियम के पौधे हैं। ये सर्वी के मौसम में ही उत्तर हैं। इनकी विशेषता है कि ये दिव्योदय शहरी खेती एवं पौधों एवं पुष्प उत्सव 2022 के दूसरे वाले अंतिम दिन मंगलवार को स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थी मेहंदी रखकर, आन स्टैट ड्राइंग व चॉटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते। जिसमें फली से पांचवीं छढ़ी से आठवीं नौवी से बालवीं और कर्सेज के विद्यार्थी भी शामिल होते। इसके अलावा पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पष्टी होती, जिसमें गमले में लगे गुलदादली, पते वाले, गेट, फ्रेश फलोंवर सजाना आदि होता। जिससे रूम में व्याकुल कर लेता है, जिसके लिए जीवनीया और्जाजन ही लिखती है। तीसरा है खेतीया नामक पौधा, जिसके सर्वी की घटी से पहले पहाँ लाल हो जाते हैं, जबकि गर्मी में हरे रंग के हो जाते हैं। सोमवार को पहले दिन 'शहरी खेती एवं पौधे उत्सव 2022' में एचएयू के वीसी प्रो.



आज विद्यार्थी पैटिंग और मेहंदी त्याओं प्रतियोगिता में भाग लेंगे

दो दिव्योदय शहरी खेती एवं पुष्प उत्सव 2022 के दूसरे वाले अंतिम दिन मंगलवार को स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थी मेहंदी रखकर, आन स्टैट ड्राइंग व चॉटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते।



आमजन के लिए छुला एग्रो ट्रॉफिज सेंटर

सीधीएचएयू के वीसी प्रो. बीआर कॉर्नेज ने आमजन के लिए सुबह 9 बजे से शाम साढ़े 5 बजे तक एग्रो ट्रॉफिज सेंटर को खोलने के आदेश दिए हैं। इसके बाद 21 दिसंबर से फली की विक्री की जाएगी। मंगलवार, जो कार्यक्रम में विजेताओं को शो के समाप्त अवसर



जानिए... प्रदर्शनी में लगाए औषधीय पौधे व उनकी खावी

पौधोंवाला : घर में आयामी के साथ उत्पाद जा सकता है। यह शारीरिक कमज़ोरी को दूर करता है।
पत्थरवाला : इसकी बढ़द दे पत्थरी संबंधित बीमारी से निजात मिल सकती है।

शताव : इसके पते को रोज पाँच को खिलाना जाता है तो ये दूध की उत्पादन की मात्रा को बढ़ा देता है।

असरावा : जिसके रोज दो पते खाने से मट्टपा घट सकता है तो दूसरी शरीरीक रूप से बढ़कूत बनता है।

जड़ी पता : याचन संबंधित बीमारी से निजात दिलाता है।

दमबल : सास संबंधित बीमारी से निजात दिलाता है।

सुदर्दन : कान संबंधित बीमारी से निजात दिलाता है।

नोट : एचएयू के वनपाति विभाग के विशेष वैज्ञानिक डॉ. सुमाय लाजल ने जिसके औषधीय पौधों के प्रयोग।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभाचार	20.12.22	५	३-६

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं : प्रो. काम्बोज एवं एयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एवं संग्रहण व पुष्टि उत्सव 2022' का शुभारंभ

हिसार, 19 दिसंबर (विरेन्द्र वर्मा): फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। ये विवरण चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एवं संग्रहण व पुष्टि उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर कहाँ और मुख्यालियत बोल रहे थे। उन्होंने कहा सुबह सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नई जर्बी व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि आने वाले समय में खेती करने लायक जगीन कम हो रही है इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पद्धतियां डिजाइन की हैं। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छाटे



कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज पुष्टि प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

से बगीचे में की जा सकती है, छात पर की जा सकती है, कमरे के अंदर राहवासी बड़-चड़कर हिस्सा ले रहे हैं। वर्टिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। राहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना बिहों के किचन गार्डनिंग कर सकते हैं। कमरे के अंदर भी एलईडी लाइट से संबिल्यू ऊर्ध्वां ज्यादा है। आम जनता के लिए प्रातः: 9 बजे से साथ 5 बजकर 30 मिनट तक एग्री ट्रूम सेंटर को खोला जाएगा। इसके बाद 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी जिसमें लोग मनपसंद के फूलों की खारेंदारी भी कर सकेंगे। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों

को शो के समाप्त अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दीरान स्कूल व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग मेहंदी रचाओं प्रतियोगिता होगी। औंन स्पॉट ड्राइंग एवं पैटिंग प्रतियोगिता भी होगी जिसमें पहली से पांचवीं, छठी से आठवीं, नौवीं से बारहवीं और कॉलेज ग्रुप शामिल किए जाएंगे। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी जिसमें गम्ले में लगे गुलदाढ़ी, पत्ते बाले, गेंद, फ्रेश फलोंवर सजाना आदि होगा। गंगोत्री प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे। इन सबके लिए पंजीकरण निशुल्क होगा। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं राहवासी भौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन एग्री ट्रूम सेंटर, चनपति उद्यान, एचएयू सामाजिक कल्याण सोसायटी और भू-दृश्य इकाई सरचना के सहयोग से किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

संस्थान पत्र का नाम
२०२२ में

दिनांक
२०.१२.२२

पृष्ठ संख्या
७

कॉलम
१-३

हक्की में
उत्सव
22 से

प्रकृति का सबसे खूबसूरत उपहार हैं फूल : काम्बोज



हिसार में
सोमवार को
पुष्प प्रदर्शनी का
अवलोकन
करते ग्रे बीआर
काम्बोज। तिस

हिसार, १३ दिसंबर (निय)

शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 22 का शुभारंभ करते हुए, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ग्रे बीआर काम्बोज ने कहा कि फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुंगम के कारण महत्वपूर्ण है, बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक है। सुख-सुख फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नह उज्ज्ञ व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है।

ग्रे काम्बोज ने कहा कि आने वाले समय में खेती करने लायक जमीन कम हो रही है, इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की

कई नई तकनीकें इजाद की हैं। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बांधे में बीज जासकती है, छत पर की जासकती है, कमरे के अंदर बाटिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना पिछी के किचन गार्डनिंग कर सकते हैं।

अधिकारी डॉ नीरज कुमार ने बताया कि मनमोहक नजारे का लुक उठाने के लिए शहरवासी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस फौलोंवाले शो में सैकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। २१ दिसंबर से फूलों की विक्री की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस दैशन स्कूल व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैर मूल	20.12.22	9	५-४

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एकः प्रो. काम्बोज

एघायू ने शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्ट उत्सव का शुभारंभ

हरियाणा न्यूज़ | हिसार

फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक है। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुर्गत के कारण महत्वपूर्ण हैं, बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में महावक है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कल्पित प्रो. डॉ. आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय में आयोजित शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्ट उत्सव 2022 के शुभारंभ अवसर पर बताए भूखातिय बोल रहे थे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि आने वाले



हिसार। पुष्ट प्रदर्शनी देखती युवतियाँ।

समय में खेती करने लायक जमीन कम हो रही है इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पद्धतियाँ इजाद की हैं। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है।

शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में की जा सकती है, छत पर की जा सकती है, कमरे के अंदर बट्टिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम

व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किंचन गार्डनिंग कर सकते हैं। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारा डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि मनमोहक नजारे का लुक ढाने के लिए शहरवासी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस पर्सोनल शो में सैकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियाँ शोभा बढ़ा रही हैं। लोगों का खासतौर पर स्कूली बच्चों का रूझान बहुत ज्यादा है। उन्होंने बताया कि 21 दिसंबर से फलों की बिक्री की जाएगी जिसमें लोग मनपसंद के फूलों की खरीदारी भी कर सकेंगे।

कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को शो के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दैरान स्कूल व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग मैलदी रचाओं प्रतियोगिता होगी। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंद, फैश पर्सोनल रजाना आदि होंगा। कार्यक्रम का आयोजन एशो ट्रिजम सेंटर, बनसपति उद्यान, एचएयू सामाजिक कल्याण सोसायटी और भू-दृश्य इकाई सरचना के सहयोग से किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब कृषि	२०.१२.२२	३	१-४

फ्लॉवर शो में रखी सैकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियाँ

दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2022' का शुभारंभ



पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए युवतियाँ व पुष्प प्रदर्शनी देखने पहुंचे स्कूली बच्चे।

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक है: प्रो. काम्बोज

हिमार, 19 दिसंबर (गढ़ी): फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक है। फूल न केवल अपनी सुंदरता व मूर्गध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2022' के द्वुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा सुबह सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नहीं उज्ज्वल सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि आने वाले समय में खेती करने लायक जगीज कम हो रही है इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पहुंचियाँ इजाद की हैं।

शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में की जा सकती है, छत पर की जा सकती है, कमरे के अंदर बट्टिकल गाढ़ने

भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते हैं। कमरे के अंदर भी एलईडी लाइट से सब्जियों उगाई जा सकती हैं। बट्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक्स विधि के लिए कम जगह व विजली की जरूरत होती है।

मौलिक विजान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि मनवोहक नज़रों का सुन्दर उठाने के लिए शहरीवासी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इस फ्लॉवर शो में सैकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियाँ शोभा बढ़ा रही हैं।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को शो के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान स्कूल व कॉलेज विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग महंगी रखाओ प्रतियोगिता होगी। अैन स्पॉट ड्राइंग एवं पैटिंग प्रतियोगिता भी होगी जिसमें यहली से पांचवीं, छठी से आठवीं, नौवीं से बारहवीं और कॉलेज ग्रुप जापिल किए जाएंगे। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी, जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पच्चे चाले, गेंदे, फ्रेश फ्लॉवर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे।



कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।



ऑन स्पॉट ड्राइंग एवं पैटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए छात्राएं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आभू उजाला	२०-१२-२२	१	७-८

पुष्प प्रदर्शनी : खूबसूरती की बिखरी छठ



एचएयू के एग्रो ट्रिज्म सेंटर में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ बताए मुख्य अनियंत्रित कुलपति प्रो. कांवेज ने किया। पुष्प प्रदर्शनी के दौरान फूलों की खूबसूरती को निहारती छात्राएं। नगर - २०२२-२३-१२-११ पर्यंत



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
३१ नवंबर २०२०	२०.१२.२२	१	१-३



फूल देख मन महका...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बोटेनिकल गार्डन में आयोजित दो दिवसीय शहरी छोटी एवं बड़ी पुष्ट उत्सव में
फूलों की प्रदर्शनी देखती युवतियाँ। • जगद्ग



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टिपान सभापति	19.12.2022	-----	-----

| हिसार : एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो' एवं पुष्प उत्सव 2022' का शुभारंभ

19 Dec 2022 18:10:10



19 D
हरिय
बड़ीग
निष्पादन

19 D
सोनी
निष्प
दृष्टिप

19 D
सोनी
सोनीप
निष्पादन

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे बूबसूरत उपहारों में से एक : प्रो. वीआर कम्बोज

हिसार, 19 दिसंबर (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीआर कम्बोज ने कहा है कि फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे बूबसूरत उपहारों में से एक हैं। कृषि न केवल अपनी सुंदरता व सुर्खेत के कारण महत्वपूर्ण है बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बलाए रखने में सहायक हैं। कुलपति प्रो. वीआर कम्बोज विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपो' एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

ठल्होंने कहा युवाह सुवह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा बुजरता है और नई ऊँची व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है। जाने वाले सबसे यही घटी कल्पना लायक जमीन कम हो रही है इस अवस्था से निपटने के लिए देनालिकों ने घटी की कम्बु नई तकलीफ और पहुंचियां बढ़ाद की हैं। शहरी घटी इनमें से प्रबुज्ज है। शहरी घटी घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे में की जा सकती है, कम्बरे के अंदर बटिकल गार्डलिंग भी बलाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाफ्टोपीनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से विद्युती के किचन गार्डलिंग कर सकते हैं। कम्बरे के अंदर भी एलईडी लाइट से सविन्यां उगाई जा सकती हैं। बटिकल घटी, हाफ्टोपीनिक स विधि के लिए कम जगह व विज्ञानी की जरूरत होती है।

मानिक विज्ञान एवं मानविकी महाविश्वालय के अधिकारी डॉ. लीरज कुमार ने यतावा कि भलगोहक नवारे का लुप्त उठाने के लिए शहरवासी बड़-चाढ़न दिस्सा ले रहे हैं। इस प्लोडर शो में सेंकड़ी किस्म की फूलों की प्रजातियां शोआ बढ़ा रही हैं। ज्ञानी का आसानीर पर स्कूली बच्ची का रक्खान बहुत उपादा है। जाल जलान के लिए पान नी बजे से सांयं पांच बजकर 30 मिनट तक यही ट्रॉफिज सेंटर को खोला जाएगा। इसके बाद 21 दिसंबर से फूलों की विद्या की जाएगी जिसमें लोग मनपसंद के फूलों की अरोदारी भी कर सकेंगे। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभावितों को शो के सम्मान अवसर पर मन्त्रालयित किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सभास्त्र दृष्टि पत्रा	19.12.2022	-----	-----

एगण्डु में दो दिवसीय 'शहरी खेती एवं पुष्ट उत्सव 2022' का शुभारंभ

मन्त्री इरियाणा न्यूज़

हिसार : छूट प्रबुद्धि द्वारा हमें दिए गए सबसे बड़े उत्सव उठाने में से एक है। छूट न केवल अपनी सुनिधता व सुनाम के कारण यह उत्सव है और एक बड़ा एवं विश्वास को संतुलन बनाए रखने में सहायक है। ये विचार चीज़ों वरन् यिह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषिकौशिलों द्वारा की जाएं गई। ये विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एवं पुष्ट उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर बहीर भूमिकाओं द्वारा रहे हैं। उन्होंने कहा सुनहरा सुनहरा जूलां को देखने से शारा दिन अच्छा गुज़रता है और नई उड़ान व सकारात्मक सीधे उत्पन्न होती है। दो, कार्यालय ने कहा कि आगे बाले साराव में खेती करने वालक जीवों का ही ही है। इस समस्या के निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेतों की काई नई तकनीकें और पट्टिकार्प उदाहरण की हैं। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती पर के बाहर विस्तीर्णों से खेतीय में जो जा याकती है, उस पर की जा सकती है, कार्यों के अंदर बटिकाल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी सीधे हाइड्रोपोनिक विस्टम व शहरीपोनिक विस्टम से विना पिट्ठी के किन्तु गार्डीनिंग कर सकते हैं। कानूनों के अंदर भी यहाँही साइट से सकियां उड़ाई जा सकती हैं। बटिकाल खेती, हाइड्रोपोनिक विधि के लिए कम जगह व विज्ञती की ज़रूरत होती है। मौजिक विज्ञान एवं भावनाविकी में विश्वविद्यालय के अधिकारी डॉ. वीरेंद्र कुमार ने बताया कि



मन्त्रीहाऊ का नुक्कड़ उठाने के लिए शहरवासी हिम्मा जे रहे हैं। इस प्रतीकी शीर्ष में सैकड़ों किलम की फूलों को द्रव्यालय गोभा बढ़ा रही है। खेतों का ब्लॉकेशन पर स्फूली बच्चों का लड़ान घूमत ज्यादा है। आज जनता के लिए प्राप्त 9 घंटे में सीधे 5 बजाकर 30 मिनट तक साथी दूरियां सेटर को खोला जाएगा। इसके बाद 21 दिवसीय रूप से फूलों की विक्री की जाएगी जिसमें लोग बनपानी बहुत ज्यादा है। अब जनता के लिए प्राप्त 9 घंटे में सीधे 5 बजाकर 30 मिनट तक साथी दूरियां सेटर को खोला जाएगा। इसके बाद 21 दिवसीय रूप से फूलों की विक्री की जाएगी जिसमें लोग बनपानी बहुत ज्यादा है। इन सक्कों के लिए प्रतीकरण नियुक्त होता है। इस अवसर पर के फूलों की खरीदारी भी कर सकते हैं। कार्यक्रम में विजेता सभी सदाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं प्रतिभागियों को शो के समाप्त अवसर पर मन्त्रीनाम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दीशव रक्षालय व कार्यालय विद्यार्थियों व वनस्पति उद्यान, एगण्डु समाजिक काल्पन भोजनालय और भू-दृश्य इकाई मरम्भन के सहयोग से किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सीटी पल्स	19.12.2022	-----	-----

एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एकसपो एवं पुष्प उत्सव 2022' शुरू

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एकसपो एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा सुबह सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा गुजरता है और नई उर्जा व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.



पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन करती युवतियां।

फ्लॉवर शो में सेकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। आम जनता के लिए प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजकर 30 मिनट तक एग्री टूरिज्म सेंटर को खोला जाएगा। इसके बाद 21 दिसंबर से फूलों की बिक्री की जाएगी। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को शो के

जाएगा। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं शहरवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, एचएयू सामाजिक कल्याण सोसायटी और भू-दृश्य इकाई सरंचना के सहयोग से किया



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्बन्धानु पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो फिल्स 12	20.12.2022	-----	-----

फूल प्रकृति द्वारा दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं- प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : फूल प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सबसे खूबसूरत उपहारों में से एक हैं। फूल न केवल अपनी सुंदरता व सुगंध के कारण महत्वपूर्ण हैं बल्कि हमारे पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में आयोजित 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2022' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा सुबह सुबह फूलों को देखने से सारा दिन अच्छा

गुजरता है और नई उर्जा व सकारात्मक सोच उत्पन्न होती है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि आने वाले समय में खेती करने लायक जमीन कम हो रही है इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने खेती की कई नई तकनीकें और पद्धतियां इजाद की हैं। शहरी खेती इनमें से प्रमुख है। शहरी खेती घर के बाहर किसी छोटे से बर्गीचे में की जा सकती है, छत पर की जा सकती है, कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बनाए जा सकते हैं। शहरी लोग हाइड्रोपोनिक सिस्टम व एरोपोनिक सिस्टम से बिना मिट्टी के किचन गार्डनिंग कर सकते हैं। कमरे के अंदर भी ऐलईडी लाइट

एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2022' का शुभारंभ

से सम्बिर्या उगाई जा सकती है। वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक सिस्टम के लिए कम जगह व विजली की जरूरत होती है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि मनमोहक नजारे का लुटक उठाने के लिए शहरवासी बढ़-चढ़ेर हिस्सा ले रहे हैं। इस पलांवर शो में संकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रही हैं। लोगों का खासतौर पर स्कूली बच्चों का रुझान बहुत ज्यादा है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नं.भा - ३५१२	19.12.2022	-----	-----



नम-छोट न्यूज # हिसार। हक्किय में आज से दो दिवसीक कूल प्रदर्शनी आरंभ हुई। इस अवसर पर सैकड़ों लोगों ने विभिन्न प्रशिक्षियों के आवार्ग का लौटा कर अवलोकन किया। इस प्रदर्शन के लिए बोकाडो किसम की फूलों की इकलीयता खूब बढ़ा रही है। लोगों का खासीर पर सूक्ष्मी वर्णन बहुत ज्यादा है। आप जगत के लिए प्राप्त ९ बजे से मात्र ५ बजाहर ३० मिनट तक एकी ट्रीरिक्ष सेटर को खोला जाएगा। इसके बाद २।१ दिसंबर से फूलों की विकासी की शैली बढ़ा रही है। जल्दी जिसमें लोक सनपर्ट के फूलों की खुरीदारी भी कर सकेंगे। क्षर्यक्रम में विजेता प्राप्त भविष्यों को लो के समापन अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।